सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 211 | इंदौर, शनिवार 14 फरवरी, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

बात बेबाक..!

#सनातन

व्यक्ति विशेष सनातन नहीं होता.. ..सियारो का सत्य मालूम होने पर भी सिंह का वजन अस्तित्व कम नहीं होता ..ये अलग बात है व्यक्तिगत हानि को सामूहिक बवंडर बताने की कुचेष्टा सदा से की जाती रही है।

सनातन तो सनातन ही होता है सनातन में ही सनातन की परिभाषा छुपी है ना कुछ कम ना कुछ ज्यादा...अलग से कुछ कहने सुनने या व्याख्या की कोई जरुरत ही नहीं ..!

हर दौर में कुछ कंटक आते जाते रहते हैं

संक्रमण के इस दौर में अभी कई रहस्य आना बाकी है.. कई छद्मवेष खुलना बाकी है। समय की अपनी चाल होती है समय का अपना खेल होता है ...खैर जो हो सो हो।

(पुष्पेन्द्र पुष्प)

अर्ज किया है..!

प्यार के बंधन खून के रिश्ते
टूट गए ख़्वाबों की तरह
जागती आँखें देख रही थीं
क्या क्या कारोबार हुए

-बशर नवाज़

सिर्फ एक "यूजर" ही नहीं आप एक भूत भी बनिए...!

वो आपकी आवाज़ "सुन" नहीं रहे हैं। वो आपके अल्ट्रासोनिक क्रॉस-डिवाइस पिंग को ट्रैक कर रहे हैं। हमारा फ़ोन ऐसी आवाज़ें निकालता है जिन्हें आप सुन नहीं सकते, ताकि वह हमारे स्मार्ट टीवी और लैपटॉप से बात कर सके।

@ DGR विशेष

हमारा iPhone/Android जो भी हो हमारे हर ठिकाने की जानकारी छुपा कर रखता है: जिम, ऑफिस, और हमारी 'गुप्त' जगहें।

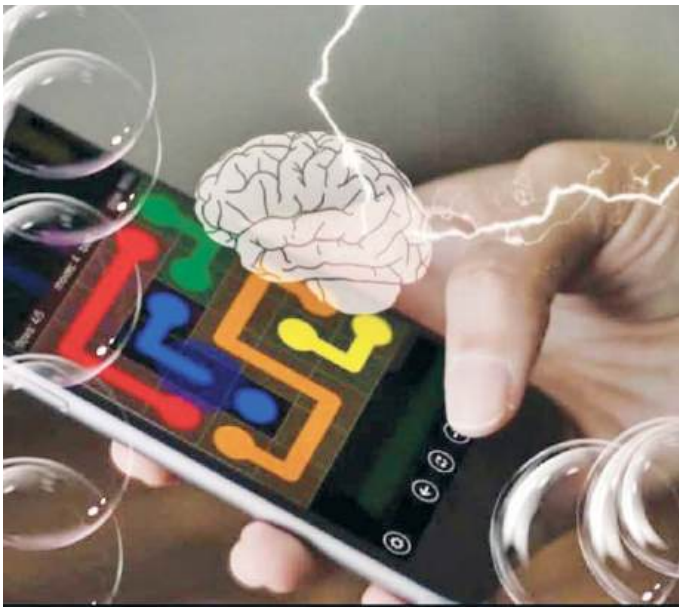

तो फिर सॉल्यूशन क्या है....?

1) हिस्ट्री साफ़ करें, दिनचर्या की जानकारी उन्हें आसानी से न दें।
iOS: Settings Privacy Location Services System Services Significant Locations.
2) अपने प्राइवेसी डैशबोर्ड पर जाएं और 'माइक्रोफ़ोन' ढूंढें। 'सिर्फ़ ऐप इस्तेमाल करते समय' पर सेट करें।
3) फोटो शेयर करने से पहले फोटो सेटिंग्स में जाएं और लोकेशन मेटाडेटा को डिसेबल कर दें।
4) 2021 से, Apple आपको 'ऐप्स को ट्रैक न करने का अनुरोध करें' विकल्प देता है। सुनिश्चित करें कि 'ऐप्स को ट्रैक करने का अनुरोध करने की अनुमति दें' विकल्प बंद है।
5) डिजिटल स्ट्रिंग/'डिजिटल सोशल सिक्योरिटी नंबर' बंद करें। Privacy Advertising Reset Advertising Identifier पर जाए और इसे महीने में एक बार करें।
6) iCloud प्राइवेट रिले या किसी भरोसेमंद नो-लॉग VPN (जैसे Mullvad या Proton) का उपयोग करें। अपना IP एड्रेस छुपाएं। अपने इंटरनेट कनेक्शन को एन्क्रिप्ट करें।
7) Settings General Background App Refresh बंद करें। इससे आपकी बैटरी बचेगी और बैटरी की यह खामोश खपत बंद हो जाएगी।
8) Brave या DuckDuckGo ब्राउज़र पर स्विच करें। ये डिफ़ॉल्ट रूप से ट्रैकर्स, स्क्रिप्ट और फिंगरप्रिंटिंग को ब्लॉक करते हैं।
9) 'लर्निंग' फ़ाइल फ़ोरेंसिक टूल के लिए पर ध्यान दें' Settings General Transfer or Reset Keyboard Dictionary रीसेट करें।
10) 'Raise to Wake' को बंद करें। टैप करके फ़ोन चालू करना ज्यादा सुरक्षित है।
11) Settings Mail Privacy Protection Protect Mail Activity. यह आपके आईपी पते को छुपा देता है
12) वाई-फाई के 'ऑटो-जॉइन' को बंद करें। वाई-फाई सेटिंग्स में 'ऑटो-जॉइन हॉटस्पॉट' को डिसेबल करें।
13) सुनिश्चित करें कि एडवांस्ड डेटा प्रोटेक्शन (iOS) चालू है। इससे आपके बैकअप के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन क़ाबिल हो जाता है। अगर क्लाउड प्रोवाइडर हैक हो जाता है, तो भी आपका डेटा एन्क्रिप्टेड कोड में सुरक्षित रहेगा।
14) सिम कार्ड को सुरक्षित करें। Settings Cellular SIM PIN पर जाएँ, अब, 4 अंकों के कोड के बिना आपका सिम कार्ड बेकार है।
15) हर 30 दिन में, उन 5 ऐप्स को डिलीट करें जिनका आपने इस्तेमाल नहीं किया है। कम ऐप्स = कम 'हमलावरों का खतरा'

इन 15 स्टेप के बाद नतीजा ये निकलेगा कि, आप सिर्फ एक 'यूज़र' नहीं रह जाते। आप एक भूत बन जाते हैं। एल्गोरिदम को आपको categorize करने में दिक्क़त होगी। आपकी बैटरी 20% ज़्यादा चलेगी। आपका दिमाग़ शांत रहेगा।

#सतर्क

(पुष्पेन्द्रपुष्प की सोशल मीडिया से साभार)

रनवे पर मंडरा रहा था खतरा एयरपोर्ट पर पिंजरे में फंसा सियार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल पर एक बार फिर जंगली जानवरों की मौजूदगी ने विमान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रनवे के पास लगाए गए पिंजरे में एक सियार पकड़ा गया, जिसे वन विभाग की टीम ने सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया।

एयरपोर्ट डायरेक्टर सुनील मग्गीरवार ने बताया कि विमानों की सुरक्षित उड़ान सुनिश्चित करने के लिए एयरपोर्ट परिसर में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। रनवे और आसपास के क्षेत्रों में कई स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं। नियमित जांच के दौरान एक पिंजरे में सियार मिला, जिसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ा गया।

उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट का ऑपरेशनल एरिया 728 एकड़ से अधिक है। रनवे के आसपास बड़े खुले मैदान और घास-फूस के कारण जंगली जानवर बाउंड्रीवॉल के नीचे से अंदर घुस आते हैं। इस खतरे को देखते हुए एयरपोर्ट प्रबंधन और वन विभाग संयुक्त अभियान चला रहे हैं। दिसंबर 2025 में DGCA की जांच टीम ने रनवे के आसपास दो सियार देखे थे। इसके बाद एयरपोर्ट प्रबंधन ने जिला प्रशासन और वन विभाग को पत्र लिखकर सियारों को पकड़ने की मांग की थी। उसी के बाद से अभियान तेज किया गया, जिसमें अब पहली सफलता मिली है। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार परिसर में 10 से अधिक सियार और अन्य जंगली जानवरों की मौजूदगी की आशंका है। वर्ष 2014 में भी विमान से सियार टकराने की घटना के बाद चलाए गए अभियान में 15 से ज्यादा जानवर पकड़े गए थे। अधिकारियों का कहना है कि जानवरों की मौजूदगी विमान सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है, इसलिए लगातार निगरानी और कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस को देखकर छत से कूदा बदमाश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एरोड्रम इलाके में रहने वाला एक बदमाश पुलिस की दबिश के दौरान पहली मंजिल से कूद गया। इस दौरान उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। आरोपी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। गुरुवार रात में पुलिस जवान उसे एक पुराने मामले में पकड़ने पहुंचे थे।

एरोड्रम थाना पुलिस सहयोग नगर में चोरी के मामले में सुमित उर्फ घोंचू, पुत्र अशोक, निवासी सहयोग नगर को पकड़ने पहुंची थी। इस दौरान पुलिस ने जब उसके घर पर आवाज लगाई तो वह सीढ़ियों के रास्ते छत पर जाकर छिप गया। बाद में वह पहली मंजिल से भागने के लिए कूद गया, जिससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। इसके बाद पुलिस देर रात उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंची। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक सुमित उर्फ घोंचू थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। उस पर पहले से मारपीट और चोरी के कई मामले दर्ज हैं।

पानी की बर्बादी करने वाले सावधान

हाई कोर्ट ने सरकार को दिया 4 हफ्ते का समय

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बड़वानी जिले के दूरस्थ इलाकों में जल संकट को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को इंदौर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिए कि केवल इंदौर संभाग ही नहीं, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में प्राकृतिक जलस्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए ठोस और व्यापक योजना तैयार की जाए।

कोर्ट ने कहा कि जिन क्षेत्रों में कुएं, तालाब, बावड़ियां और अन्य जलस्त्रोत सूख चुके हैं या जर्जर हालत में हैं, उन्हें फिर से जीवित करने के लिए प्रभावी प्लानिंग जरूरी है। इस संबंध में सरकार को चार सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जल संकट केवल स्थानीय समस्या नहीं है, बल्कि इसे राज्यव्यापी नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट मनीष विजयवर्गीय ने सुनवाई के दौरान राजस्थान के पिपलांत्री गांव मॉडल का उदाहरण दिया, जहां जनसहभागिता से बंजर और पथरीले क्षेत्र को जल-संरक्षित और हरित क्षेत्र में बदला गया। याचिका में बताया गया कि निमाड़ क्षेत्र में गर्मी का असर अभी से दिखने लगा है और बारिश पर निर्भर कुएं, बावड़ियां, पोखर और कुंड तेजी से सूख रहे हैं। आने वाले दिनों में आदिवासी क्षेत्रों में पानी का संकट और गहरा सकता है। याचिकाकर्ता ने हाल ही में पिपलांत्री गांव का दौरा कर वहां लागू मॉडल का अध्ययन करने और श्यामसुंदर पालीवाल से मुलाकात की जानकारी दी। इस पर कोर्ट ने निर्देश दिया कि पिपलांत्री मॉडल को मध्य प्रदेश में लागू करने की संभावनाओं पर प्रस्तुत रिपोर्ट का गंभीरता से अध्ययन किया जाए। हाई कोर्ट ने कहा कि जलस्त्रोतों का संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के लिए अनिवार्य है। मामले की अगली सुनवाई मार्च के मध्य में होगी, जिसमें सरकार द्वारा प्रस्तुत योजना पर विचार किया जाएगा।

रीगल तिराहे पर बनेगा छह लेन ब्रिज, अफसरों ने किया दौरा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर के दो हिस्सों को जोड़ने वाले शास्त्री ब्रिज के पास नए ब्रिज की संभावनाओं को तलाशने के लिए नगर निगम और रेलवे के अफसरों ने शनिवार को दौरा किया। अफसरों ने उस हिस्से को देखा, जहां नया ब्रिज बनना है। दरअसल अभी रेलवे स्टेशन का विस्तार किया जा रहा है। पुराने शास्त्री ब्रिज के कारण प्लेटफार्म समान रूप से लंबे नहीं हो पा रहे हैं। इस कारण नए ब्रिज को बनाने की प्लानिंग रेल विभाग ने की। पुराना शास्त्री ब्रिज दो लेन था। इस कारण कई बार वाहन ब्रिज पर ओवरटेक नहीं कर पाते थे। वाहन के खराब होने पर जाम की स्थिति भी बनती थी। नया ब्रिज छह लेन होगा और उसकी ऊंचाई भी ज्यादा होगी, ताकि भविष्य के हिसाब से रेल गाड़ियों का आवागमन भी आसान हो सके। नया ब्रिज रेल विभाग और नगर निगम मिलकर बनाएंगे। नए ब्रिज के लिए जमीन की भी परेशानी नहीं आएगी, क्योंकि एक तरफ गांधी हॉल का बगीचा है और दूसरी तरफ रीगल टॉकीज की बिल्डिंग है। दोनों नगर निगम के अधीन हैं। शास्त्री ब्रिज 70 साल पुराना है और उसके कई हिस्से जर्जर हो चुके हैं। पिछले दिनों ब्रिज के एक हिस्से में गड्ढा हो गया था। ब्रिज के कई हिस्से जर्जर हो चुके हैं और उसकी मरम्मत में भी हर साल नगर निगम को पैसा खर्च करना पड़ता है। नया ब्रिज पूर्वी क्षेत्र और मध्य क्षेत्र के ट्रैफिक को और आसान बनाएगा। नए ब्रिज की डिजाइन रेलवे ने बना दी है। जल्दी ही मिट्टी परीक्षण भी शुरू हो जाएगा। नए स्टेशन के निर्माण के दौरान कई रेलगाड़ियों का संचालन पार्क रोड से होगा। इस अवधि में नया ब्रिज भी बनाने की योजना है।

10 दिवसीय बेकरी एंड कन्फेक्शनरी एवं आइसक्रीम मेकिंग सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय इंदौर के गृह विज्ञान विभाग एवं आईक्यूएसी के तत्वावधान में 2 फरवरी से 13 फरवरी तक 10 दिवसीय बेकरी एंड कन्फेक्शनरी एवं आइसक्रीम मेकिंग सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन किया गया। कोर्स में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षक श्रीमती अमृता शाह एवं विभाग के प्राध्यापकों द्वारा छात्राओं को आइसक्रीम, चॉकलेट, बिस्किट, सिम्पल एवं आइसिंग केक, पैकेजिंग एवं प्राइसिंग का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण छात्राओं के कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय झाबुआ में खोलेगी मेडिकल कॉलेज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के खुद के मेडिकल कॉलेज का 25 साल पुराना सपना अब हकीकत में बदलने जा रहा है। राज्य सरकार ने इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट को 'ग्रीन सिग्नल' देते हुए इसेंसिएलिटी सर्टिफिकेट (अनिवार्यता प्रमाण पत्र) जारी कर दिया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने नेशनल मेडिकल काउंसिल (NMC) के पास आवेदन जमा कर दिया है। इंदौर के छोटा बांगड़दा में 2001 से यह प्रोजेक्ट जमीन की कमी के कारण अटका था। इंदौर में यूनिवर्सिटी के पास पहले 50 एकड़ जमीन थी, जो अब घटकर मात्र 12 एकड़ रह गई है। यह मेडिकल कॉलेज के मानकों के लिए काफी कम है। कुलपति प्रो. राकेश सिंघई की पहल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की रुचि के बाद इसे झाबुआ शिफ्ट किया गया, ताकि पिछड़े आदिवासी क्षेत्रों में बेहतर इलाज और शिक्षा पहुंच सके। यूनिवर्सिटी प्रशासन की कोशिश है कि अगले शैक्षणिक सत्र से ही एमबीबीएस की सीटें आवंटित हो जाएं।

ड्रग माफिया पर सख्ती, युवाओं पर फोकस

नशे के खिलाफ लड़ाई सबकी जिम्मेदारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नशे के बढ़ते खतरे पर सख्ती दिखाते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने ड्रग्स पर पूर्ण नियंत्रण के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है। यह टास्क फोर्स आबकारी विभाग, आयुष विभाग और नारकोटिक्स विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर नशे के अवैध कारोबार और उसके सामाजिक दुष्प्रभावों पर निर्णायक कार्रवाई करेगी।

कलेक्टर ने ड्रग्स से जुड़े व्यवसायों और संदिग्ध इकाइयों के गहन निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। साथ ही, युवाओं को नशे की लत से दूर रखने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में व्यापक जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित करने को कहा गया है। उनका कहना है कि नशे के खिलाफ यह लड़ाई अकेले प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आबकारी अधिकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि नारकोटिक्स विभाग और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम बनाई गई है, जो अवैध ड्रग्स सेंटरों पर कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता कार्यक्रम भी चलाएगी। अभियान के तहत मीडिया के माध्यम से भी नशे के दुष्परिणामों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। प्रशासन का स्पष्ट उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से रोकना और शहर को नशामुक्त दिशा में आगे बढ़ाना है। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि नशे के खिलाफ चल रही यह मुहिम प्रभावी और परिणामोन्मुखी बन सके।

क्लासमेट के कमरे में निर्वस्त्र मिला एमबीए छात्रा का शव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। 25 वर्षीय एमबीए छात्रा का शव निर्वस्त्र हालत में उसके क्लासमेट के कमरे में मिला है। कमरे के बाहर ताला लगा हुआ था। छात्रा तीन दिन से लापता थी। 10 फरवरी की रात कॉलेज के आधिकारिक वॉट्सएप ग्रुप पर छात्रा के मोबाइल फोन से एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट हुआ था। इसमें युवक का चेहरा इमोजी से छिपा था, जबकि छात्रा का चेहरा साफ दिख रहा है। परिजन का आरोप है कि आरोपी ने छात्रा के मोबाइल का इस्तेमाल कर उसके स्टेटस पर भी आपत्तिजनक वीडियो लगाए और उसके संपर्क में रहने वालों को भी भेजे।

द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक, घटना अंकल गली की है। सूचना मिलते FSL टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। जिस कमरे से शव मिला है, वह मंदसौर निवासी पीयूष धामनोदिया का है। जो उसने किराए से ले रखा है। दोनों सांवेर रोड स्थित एक संस्थान से एमबीए में सेकेंड सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे थे। घटना के बाद से ही पीयूष लापता है। पुलिस के अनुसार, युवती 10 फरवरी से लापता थी। उस दिन वह आधार कार्ड ठीक कराने की बात कहकर पिता के साथ घर से निकली थी। पिता ने उसे कलेक्टोरेट के पास छोड़ा था। वहां से उसने अपनी छोटी बहन को फोन कर बताया कि वह अपने क्लासमेट पीयूष के साथ बर्थडे पार्टी में जा रही है। रात 11 बजे तक लौट आएगी। बहन ने कहा कि वह यह बात खुद पिता को बता दे। इसके बाद युवती घर नहीं लौटी और उसका मोबाइल भी बंद हो गया। युवती के पिता ने बताया कि थाने से फोन आया था कि वे तुरंत पीयूष के कमरे पर पहुंचें, पुलिस टीम भी वहां आ रही है। बेटी की पहचान उन्होंने उसके मोजों से की। पिता का आरोप है कि छात्रा को यातनाएं देकर हत्या की गई। उसके कई वीडियो वायरल किए गए। मानसिक रूप से प्रताड़ित और ब्लैकमेल किया गया। उन्होंने कहा कि बेटी ने कुछ बातें छोटी बहन को बताई थीं, जिससे यह जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि उसी रात कॉलेज के वॉट्सएप ग्रुप में युवती का एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया गया, जिसमें युवक का चेहरा इमोजी से ढंका हुआ था, जबकि युवती का चेहरा साफ दिख रहा था। कॉलेज प्रबंधन ने वीडियो हटाकर अगले दिन 11 फरवरी को युवती के पिता को बुलाया। बताया कि दोनों के मोबाइल फोन बंद आ रहे हैं। इसके बाद परिजन रावजी बाजार थाने पहुंचे, जहां से उन्हें पंढरीनाथ थाने भेजा गया और देर रात गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज हुई। 12 फरवरी को पूरे दिन युवती की तलाश चलती रही, लेकिन परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई और टालमटोल करती रही। परिवार की आशंका के आधार पर एक पुलिसकर्मी युवती के क्लासमेट पीयूष के कमरे तक पहुंचा भी, लेकिन केवल बाहर से ताला लगाकर मकान मालिक को किसी के आने पर सूचना देने की बात कहकर लौट गया।

शुक्रवार को अंकल गली स्थित उसी कमरे से बदबू आने की शिकायत मिलने पर द्वारकापुरी पुलिस पहुंची। ताला खोलकर अंदर प्रवेश किया, जहां युवती का शव मिला। परिजनों का आरोप है कि आरोपी युवक ने युवती के मोबाइल से उसके साथ के आपत्तिजनक वीडियो स्टेटस पर लगाने के साथ-साथ फोन में सेव नंबरों पर भी भेजे थे। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल के मुताबिक, पीयूष के पिता घनश्याम मंदसौर में किराना दुकान चलाते हैं। उसकी बहन की सगाई हो चुकी है। पीयूष पढ़ाई के सिलसिले में इंदौर में रह रहा था।

नारियल विक्रेता ने किया सुसाइड पत्नी से चल रहा था विवाद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। चंदन नगर इलाके में रहने वाले एक फल विक्रेता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी गुरुवार रात करीब 3 बजे परिजनों को लगी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान दिनेश (30) पुत्र मोतीलाल निवासी तापती परिसर के रूप में हुई है। वह घर में अकेला रहता था और नारियल पानी बेचने का काम करता था। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि उसका पत्नी से लंबे समय से विवाद चल रहा था और पत्नी पिछले दो वर्षों से मायके में रह रही थी। गुरुवार को भी दोनों के बीच बातचीत हुई थी। बताया जा रहा है कि दिनेश के अन्य परिजन पास ही रहते हैं, जबकि उसके दो बच्चे (एक बेटा और एक बेटी) मूसाखेड़ी में नाना-नानी के साथ रहते हैं। परिवार का आरोप है कि दिनेश की पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति से संबंध था, जिसके कारण वह घर छोड़कर चली गई थी। परिजनों का यह भी कहना है कि वह दिनेश को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देती थी। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि पोस्टमार्टम के दौरान ससुराल पक्ष का कोई सदस्य जिला अस्पताल नहीं पहुंचा।

दो साल की बच्ची की सड़क हादसे में मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। निपानिया में रहने वाली दो साल की एक बच्ची की सड़क हादसे में मौत हो गई। एमवाय अस्पताल में बच्ची का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों का कहना था कि उसका कार से एक्सीडेंट हुआ है, जबकि पुलिस को शुरुआत में बच्ची के साथ गलत होने की आशंका थी। हालांकि, एक सीसीटीवी फुटेज में एक्सीडेंट की पुष्टि हो गई, जिसके बाद पिता और उनके दोस्त को छोड़ दिया गया।

लसूडिया थाना क्षेत्र की कृष्ण विहार कॉलोनी से बच्ची के परिजन उसे मृत अवस्था में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। यहां से पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों ने बताया कि बच्ची खेलते हुए बाहर आ गई थी, तभी एक कार ने उसे टक्कर मार दी। गुरुवार रात में पुलिस को पिता और परिजनों की बात पर संदेह हुआ, इसलिए पिता और उसके एक दोस्त को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। पुलिस को आशंका थी कि बच्ची के साथ कुछ गलत हुआ है। शुक्रवार को बच्ची का पोस्टमार्टम कराया गया। इसी दौरान एसआई संजय बिश्नोई ने मौके के सीसीटीवी फुटेज निकलवाए, जिसमें बच्ची को एक कार टक्कर मारते हुए दिखाई दी। इसके बाद पुलिस ने एक्सीडेंट का मामला दर्ज कर लिया है। कार चालक की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि बच्ची का परिवार ललितपुर का रहने वाला है। वह दो माह पहले ही मजदूरी के लिए इंदौर आया था। बच्ची अपनी मां की इकलौती बेटी थी।

पर्यावरण जागरूकता संबंधी प्रश्नोत्तरी का हुआ आयोजन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन इंदौर में शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण और प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में इको क्लब द्वारा पर्यावरण जागरूकता प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम की विजेता छात्राओं में वैष्णवी बैस, शबाना, राजश्री, अनुष्का को पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र वितरित किया किए। कार्यक्रम का इसका उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाना और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करना है। संपूर्ण कार्यक्रम इको क्लब प्रभारी डॉ. पूजा जैन के द्वारा संपन्न करवाया गया। कार्यक्रम में प्रो. रितु मथुरिया, डॉ. अमरीश, डॉ. आशीष कपूर, डॉ. फरीदा जोहर सहित छात्राएं उपस्थित रही।

किन्नर विवाद: गवाही से रोकने की धमकी का केस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूडिया थाने में सनम भास्कर के खिलाफ नंदलालपुरा क्षेत्र के किन्नरों ने धमकाने की शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि वे इलाके में बधाई मांगने गए थे, तभी आरोपी किन्नर सनम ने उन्हें डराया-धमकाया और सपना हाजी व अन्य लोगों के खिलाफ गवाही न देने को कहा। वहीं सनम का कहना है कि वह तीन महीने पहले ही पुलिस कमिश्नर से शिकायत कर चुका है और गुरुवार को उसने लसूडिया टीआई को भी फोन किया, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। बाद में वह डीसीपी कार्यालय के बाहर बैठा रहा, इसके बावजूद उसके खिलाफ कार्रवाई कर दी गई। लसूडिया थाने में सुमैला उर्फ शिमला गुरु पायल कुंवर (नंदलालपुरा बस्ती निवासी) की शिकायत पर पुलिस ने राहुल और सनम किन्नर के खिलाफ धमकाने का केस दर्ज किया है। शिकायत में सुमैला ने बताया कि वह अपनी साथी नेहा कुंवर के साथ सेक्टर-बी स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र में बधाई मांगने गई थी। तभी सनम भास्कर अपने पति राहुल के साथ वहां पहुंची और पुराने विवाद को लेकर अभद्र भाषा में बात की। आरोप है कि सनम ने कोर्ट में अपने और अपने गुरु सपना हाजी के खिलाफ आपत्ति लगाने पर देख लेने

की धमकी दी, जबकि राहुल ने चेतावनी दी कि यदि उसने सपना हाजी, राजा हासमी, सोनम, काजल और अजय दास के खिलाफ गवाही दी तो उसे जान से मार दिया जाएगा। वहीं सनम ने दावा किया कि उसने सुबह टीआई तारेश सोनी को कॉल कर बताया था कि दो दर्जन से अधिक किन्नर उसके घर के आसपास घूम रहे हैं और उसे ढूंढ रहे हैं, जिससे उसकी जान को खतरा है। उसने कहा कि नंदलालपुरा के किन्नरों से उसका कोई विवाद नहीं हुआ और इस बातचीत की रिकॉर्डिंग भी सोशल मीडिया पर डाली थी, लेकिन टीआई ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद सनम डीसीपी कुमार प्रतीक से मिलने उनके कार्यालय पहुंची और करीब दो घंटे बाहर बैठी रही। आरोप है कि डीसीपी ने बिना जांच एफआईआर दर्ज न करने का भरोसा दिया था, फिर भी देर शाम उसके खिलाफ कार्रवाई कर दी गई।

सनम कुंवर ने पहले ही अपनी जान को खतरा होने की आशंका जताई थी। करीब तीन महीने पहले वह तीन-चार अन्य किन्नरों के साथ पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से मिली थी और बताया था कि वह ट्रेनों-बसों में नेग मांगकर जीवन यापन करती है, लेकिन पायल गुट के किन्नर उसे लगातार धमका रहे हैं और वह उनके साथ नहीं रहना चाहती। बताया जा रहा है कि दोनों किन्नर गुटों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। वहीं पांच दिन पहले दो साल पुराने मामले में सपना हाजी और उसके साथियों पर एफआईआर दर्ज करने को लेकर पंढरीनाथ थाने के टीआई अजय राजौरिया पर भी कार्रवाई की गई थी।

एमपी में रात 2 बजे 11 आईएएस के ट्रांसफर

अशोक वर्णवाल को स्वास्थ्य की जिम्मेदारी, मनीष सिंह फिर जनसंपर्क आयुक्त, आबकारी आयुक्त भी बदले

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में शुक्रवार रात 2 बजे के बाद 11 आईएस और 4 राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश में अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। उनकी जगह स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव संदीप यादव को पदस्थ किया गया है।

इसी तरह मनीष सिंह को एक बार फिर जनसंपर्क विभाग की कमान सौंपी गई है। इनके पास इस अहम जिम्मेदारी के साथ-साथ परिवहन सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। इसी तरह जनसंपर्क आयुक्त रहे दीपक सक्सेना को आबकारी

आयुक्त बनाया गया है। सक्सेना चार महीने इस पद पर रहे। आबकारी आयुक्त रहे अभिजीत अग्रवाल को प्रबंध संचालक राज्य सहकारी विपणन संघ बनाया गया है। अग्रवाल आबकारी आयुक्त के पद पर दो साल रहे। उन्हें नई आबकारी नीति लागू होने से ठीक पहले हटाया गया है। इसी तरह 2009 बैच के अफसर अजय गुप्ता को संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास से हटाकर पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर में प्रबंध संचालक बनाया गया है। 2011 बैच के उमाशंकर भार्गव की राजभवन से 8 महीने में वापसी हो गई है। उन्हें किसान कल्याण एवं कृषि विकास का संचालक बनाया गया है। भिंड जिला पंचायत में सीईओ सुनील दुबे को राज्यपाल का उप सचिव बनाया गया है। उच्च शिक्षा विभाग में उप सचिव संघमित्रा गौतम को आलीराजपुर जिला पंचायत का सीईओ पदस्थ किया गया है। इसी तरह आगर मालवा जिला पंचायत सीईओ नंदा भलावे कुशरे को राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान में अपर परियोजना संचालक बनाया है। इसके अलावा स्कूल शिक्षा विभाग में उप सचिव कमल सोलंकी को रासेन जिला पंचायत का सीईओ बनायाा गया है।

तीन अपर कलेक्टर बने जिला पंचायत सीईओ

देर रात जारी हुई लिस्ट में चार राज्य प्रशानिक अधिकारियों के ट्रांसफर भी किए गए हैं। भुरला सिंह सोलंकी को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आगर मालवा, मिलिंद कुमार नागदेवे को जिला पंचायत खरगोन वीर सिंह चौहान को जिला पंचायत भिंड और राकेश शर्मा को मुख्य महाप्रबंधक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में पदस्थ किया है।

प्रेमी ने परिवार के साथ मिलकर गर्लफ्रेंड का गला घोंटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भोपाल में सेप्टिक टैंक में मिली महिला की लाश की शिनाख्त पुलिस ने कर ली है। महिला का नाम अशरफी उर्फ सिया है। वह महाराष्ट्र के गोंदिया जिले की रहने वाली थी। 33 साल की अशरफी का कत्ल उसके शादीशुदा प्रेमी ने किया था। शव को ठिकाने लगाने में उसके भाई, मां और बहन ने मदद की थी। फिलहाल, समीर फरार है जबकि उसके भाई, मां और बहन को गिरफ्तार कर लिया गया है। निशातपुरा थाने के एसआई श्रीकांत द्विवेदी ने बताया कि अशरफी की एक साल पहले इंस्टाग्राम पर भोपाल निवासी समीर से दोस्ती हुई। चैटिंग करते-करते दोनों में प्यार हो गया। करीब तीन महीने अशरफी भोपाल आ गई। वह कमल नगर निवासी समीर के घर में उसके साथ ही रहने लगी। परिजन ने पुलिस को बताया- समीर पहले से शादीशुदा होने के साथ ही दो बच्चों का पिता है। अशरफी, समीर पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। शादी नहीं करने की हालत में पांच लाख रुपए मांग रही थी। डिमांड पूरी नहीं करने पर समीर और परिवारवालों को जेल भिजवाने की धमकी देती थी। अशरफी समीर की पत्नी से भी विवाद करती थी। तंग आकर समीर की पत्नी जबलपुर स्थित अपने मायके चली गई थी। 9 फरवरी की शाम एक बार फिर सिया ने समीर से झगड़ा किया। गुस्से में आकर समीर ने उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर शव को भाई, मां और बहन की मदद से सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात बक्से में बंद कर सेप्टिक टैंक में फेंक दिया।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट :

अनुकंपा नियुक्ति कोई अधिकार नहीं, यह एक विशेष राहत

ग्वालियर, एजेंसी। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने साफ किया है कि पुलिस विभाग में अनुकंपा नियुक्ति पाने के लिए केवल पारिवारिक संकट ही नहीं, चरित्र और आचरण भी बेदाग होना जरूरी है। अनुकंपा नियुक्ति कोई अधिकार नहीं, यह एक विशेष राहत है। इसका उद्देश्य परिवार को आर्थिक संकट से उबारना है, न कि ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करना, जिसका रिकार्ड पुलिस विभाग की गरिमा के अनुरूप न हो। इन कारणों से हाईकोर्ट ने रिट अपील खारिज करते हुए एकलपीठ के उस आदेश को सही ठहराया, जिसमें अनुकंपा नियुक्ति से इन्कार किया गया था। न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति अनिल वर्मा की युगलपीठ ने दीपक सिंह गौतम बनाम राज्य शासन मामले में कहा कि नैतिक अधोपतन से जुड़े मामलों में नाम आने वाले व्यक्ति को पुलिस सेवा में नियुक्त नहीं किया जा सकता।

आस्था के सभी स्थलों का विकास कर रही सरकार

नोहलेश्वर महोत्सव आस्था के साथ संस्कृति, परम्परा और सामाजिक समरसता का उत्सव : मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

दमोह, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नोहलेश्वर महादेव की महिमा ऐसी है जो यहाँ एक बार आता है, उसका मन बार-बार यहां आने को करता है। कृपावंत, कृपाशंकर भगवान नोहलेश्वर महादेव के आशीर्वाद से हम प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी ऊर्जा और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नोहलेश्वर महोत्सव आस्था ही नहीं, स्थानीय संस्कृति, परम्परा और सामाजिक समरसता का भी उत्सव है। हमारी सरकार आस्था के स्थलों के संरक्षण और पर्यटन विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को दमोह जिले के ग्राम नोहटा में नोहलेश्वर महोत्सव मेले के अवसर पर आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेले का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। साथ ही नोहलेश्वर मंदिर परिसर और मेला परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय जनता की मांग पर नोहटा को परीक्षण के उपरांत नगर परिषद बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

दमोह में 2 करोड़ रूपए की लागत से गीता भवन का निर्माण किया जाएगा। दमोह जिले में बांदकपुर-सेमरखो जलाशय की क्षमता में वृद्धि कर 600 करोड़ रूपए की नई सिंचाई परियोजना विकसित की जाएगी। इससे जिले के 33 गांवों के खेतों को सिंचाई के लिये भरपूर पानी मिलेगा। दमोह में 10 करोड़ रूपए की लागत से वॉटर स्पोर्ट्स, बोट क्लब सहित अन्य पर्यटन गतिविधियों का विकास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तेंदूखेड़ा और हटा में खेल गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए नए स्टेडियम बनाए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुप्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर का अभिनंदन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। उनकी खुशहाली और समृद्धि से ही देश खुशहाल बनेगा। उन्होंने कहा कि हम खेती के साथ पशुपालन को भी प्रोत्साहन दे रहे हैं। कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण बढ़ाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पशुपालन से दूध उत्पादन बढ़ेगा। हमने प्रदेश का दूध उत्पादन 9 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। हमारी सरकार पशुपालन, गौपालन और गौ-संरक्षण की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसी भी देश के साथ रिश्तों में किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं किया।

खेतों में किसान और सीमा पर जवान, दोनों हमारे लिए बराबर सम्मान रखते हैं। राज्य सरकार किसानों के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रख रही है। विकास कार्यों को गति देने में हमारी सरकार सदैव जनता के साथ खड़ी है। किसान सम्मेलन में पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, पूर्व मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत मलैया, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता गौरव पटैल, उपाध्यक्ष श्रीमती मंजु धर्मेन्द्र कटारे, विधायक हटा श्रीमती उमा खटीक, पूर्व मंत्री दशरथ सिंह लोधी, पूर्व सांसद चन्द्रभान सिंह, वरिष्ठ नेता विद्यासागर पांडे, भावसिंह लोधी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, लाड़ली बहनें, युवा और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान बंधु उपस्थित थे।

'घूसखोर पंडत' फिल्म पर कोर्ट में परिवाद दायर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। 'घूसखोर पंडत' फिल्म के निर्माता नीरज पांडे और इसके ओटीटी पर प्रसारण अधिकार प्राप्त नेटफिलक्स के यूएसए में स्थित प्रमुख और कंटेंट हेड और नेटफिलक्स के भारत में वितरक के विरूद्ध आपराधिक मान हानि का परिवाद जबलपुर कोर्ट में दायर किया गया है। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी के समक्ष हुई प्रारम्भिक सुनवाई के बाद शुक्रवार को कोर्ट ने 20 फरवरी को परिवादी के बयान दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। जबलपुर के स्थानीय निवासी एवं फिल्मी पटकथा लेखक, फिल्म कलाकार और ज्योतिषी पं. वैभव पाठक ने फिल्म 'घूसखोर पंडत' के टाइटल को ब्राह्मण समुदाय के प्रति अपमानजनक बताते हुए मानहानि का परिवाद दायर किया है। परिवाद दायर करने वाले पं. वैभव पाठक का कहना है कि वह मध्यप्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा के सक्रिय सदस्य हैं, जो सम्पूर्ण मध्य प्रदेश के विप्रों की प्रतिनिधि संस्था है। जिसकी स्थापना भी पंडित मदन मोहन मालवीय ने की है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि पंडित शब्द का अपभ्रंश लोक भाषा और ग्राम भाषा में "पंडत " प्रचलित है, किन्तु फिल्म के निर्माता ने फिल्म के शीर्षक 'घूसखोर पंडत ' के बहाने फिल्म की सस्ती और घटिया लोकप्रियता पाने के लिए गलत तरीके से प्रचार कर जानबूझकर ' पंडत (पंडित) ' उपसर्ग को प्रयोग किया है, जो इसे भ्रष्टाचार से जोड़ता है।

सामूहिक विवाह सबसे उत्तम, खर्चीली शादियों से बचें : मुख्यमंत्री

समय के साथ सोच भी बदलने की जरूरत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छतरपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बेटे-बेटियों का विवाह करने के लिए सामूहिक विवाह सबसे उत्तम माध्यम है। समाज में ख़र्चीले विवाहों का प्रचलन चिंतनीय है। मितव्ययिता जरूरी है। हमारा समाज परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। बदलते वक्त के साथ हमें अपनी सोच भी बदलने की जरूरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने स्वयं अपने पुत्र का विवाह उज्जैन में एक सामूहिक विवाह सम्मेलन में किया हैं। शादियों में अनावश्यक खर्च से हमें बचना ही चाहिए। सामूहिक विवाहों से हुई बचत परिवार के लिए अन्य सुविधा जुटाने के लिए उपयोगी हो सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि

विवाह और मृत्यु भोज जैसे कार्यक्रमों में फिजूलखर्ची और दिखावे को बंद करने की आवश्यकता है। बागेश्वर धाम में हो रहे सामूहिक विवाह एक यज्ञ के समान हैं। अच्छाइयां ही हमेशा याद रहती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय संस्कृति की भावना को मजबूत करने के लिए छतरपुर को कैंसर अस्पताल की सौगात दी है। हमारे देवस्थान चमत्कारिक होते हैं। मंदिर के आसपास अस्पताल भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को बागेश्वर धाम सरकार में आयोजित सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज जितने भी बेटे-बेटियों का विवाह हुआ है, इन्हें किसी भी रोजगार या काम-धंधे की आवश्यकता है, तो सरकार सभी को हर जरूरी सहायता उपलब्ध करायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे जीवनकाल के 16 संस्कारों में विवाह सबसे बड़ा संस्कार है। यह धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की राह दिखाता है।

संपादकीय

टकराव की नई राह पर पक्ष-विपक्ष

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष लामबंद हो गया है। वह संसद में ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए उनके खिलाफ महाभियोग लाने जा रहा है। यह तब हुआ है, जब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ भी नो कॉन्फिडेंस मोशन का नोटिस दिया गया है। मार्च में संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में अभूतपूर्व स्थिति पैदा होने वाली है, जब दो संवैधानिक पदों के खिलाफ एकसाथ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष में तकरार बढ़नी तय मानी जा रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक खबर के अनुसार, माना जा रहा है कि इससे 9 मार्च को जब संसद फिर से बैठेगी, तो सत्ता पक्ष और इंडिया ब्लॉक के बीच तनाव बढ़ना तय है। 9 मार्च को संसद के दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही फिर से शुरू होगी। सूत्रों के अनुसार, महाभियोग के नोटिस को संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में लाया जाएगा, जो 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र का पहला चरण 28 जनवरी से शुरू होकर 13 फरवरी तक चला। तृणमूल कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग लाने की मांग कर रही है। विपक्ष इसी बात पर अड़ा हुआ है। इंडिया ब्लॉक की बात करें तो टीएमसी ने अभी स्पीकर बिरला को हटाने के लिए नोटिस पर दस्तखत नहीं किए हैं। हालांकि, उसने कहा है कि उसे इस नोटिस से ऐतराज भी नहीं है। तृणमूल की मांग पर इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों का अचानक आगे आना ममता बनर्जी को खुश करने के लिए है। साथ ही यह विपक्ष की एकता को मजबूत करने के साथ-साथ मार्च में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ बर्खास्तगी नोटिस जारी होने पर अधिकतम समर्थन जुटाने के उद्देश्य से प्रतीत होता है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा-यह जल्द ही होगा। हम इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। दोनों सदनों में मजबूत बहुमत के साथ मोदी सरकार और भाजपा को विपक्ष की गतिविधियों से शायद ही कोई फर्क पड़ेगा। हालांकि, मार्च में यह एक अभूतपूर्व स्थिति होगी कि दो शीर्ष संवैधानिक पदों के खिलाफ विपक्ष द्वारा एक साथ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाए। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ टीएमसी की मांग को विपक्ष में व्यापक समर्थन मिल रहा है, जहां लगभग हर क्षेत्रीय पार्टी राज्यों में मतदाता सूची के एसआईआर (विशेष मतदाता सूची सत्यापन) की प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। विपक्ष ने इसे भाजपा की साजिश करार दिया है, जिसका मकसद विपक्षी मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करके सत्ताधारी पार्टी को फायदा पहुंचाना है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में लंबी बहस हो चुकी है और संसद में भी इसकी गूंज सुनाई दे रही है। विपक्ष ने अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन पर सत्ताधारी दल के इशारे पर काम करने और सदन की कार्यवाही में विपक्ष को बोलने का मौका न देने का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों के बीच तनाव का यह नया दौर तब शुरू हुआ जब अध्यक्ष ने राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे की 2020 के चीनी हमले पर लिखी अप्रकाशित पुस्तक से उद्धरण देने से मना कर दिया।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

वफा का खंजर

विजयगढ़ और जयगढ़ राज्य में कई तरह की समानताएं थीं। दोनों ही बेहद संपन्न, मजबूत और धार्मिक राज्य थे। दोनों राज्य के रस्म-ओ-रिवाज ही नहीं, बल्कि बोली भी एक सी ही थी। यहां तक की विजयगढ़ और जयगढ़ राज्यों की लड़कियों की शादी भी एक दूसरे राज्य में होती थी। अंतर की बात करें, तो यही था कि जयगढ़ की कविताएं विजयगढ़ वालों को पसंद नहीं आती थी और विजयगढ़ वालों का शास्त्र जयगढ़ वालों के लिए धर्म के समान था। दोनों राज्य के लोगों के बीच लड़ाई-झगड़ा हमेशा ही रहता था। इन राज्यों में से किसी में भी तरक्की से जुड़ा कोई कार्य होता, तो दूसरा राज्य वाला यह समझता था कि उससे उनका नुकसान होगा।

ऐसा नहीं है कि इन तरक्की के कार्यों से सिर्फ कम पढ़े लिखे लोगों को ही परेशानी होती थी, बल्कि बुद्धिमान लोग भी सिर्फ आपसी ईर्ष्या की वजह से उसे खराब ही कहते थे। विजयगढ़ की एक छोटी सी बात भी जयगढ़ बालों के लिए बहुत बड़ी होती थी। उनके मन में होता था कि इसका बदला हम विजयगढ़ वालों से लेंगे। ठीक ऐसा ही जयगढ़ वालों के साथ भी था। दोनों राज्य इसी कोशिश में रहते थे कि कुछ ऐसा करें कि सामने वाले का अस्तित्व ही खत्म हो जाए।

नियम और व्यवस्था से जुड़ी चीजें, तो जैसे आग की तरह फैलती थीं। अखबार हो या लोगों का मन हर जगह यही आवाज आती कि विजयगढ़ वालों की शिक्षा और अन्य नियम-कानून जयगढ़ राज्य के लिए खराब हैं। उन्हें इसका मुंहतोड़ जवाब देना होगा। उधर, विजयगढ़ वाले सोचते कि जयगढ़ वालों ने उनके नए कानून के बारे में अखबार में कुछ छपने नहीं दिया है। वो सबका मुंह बंद करना चाहते हैं। वो यहां के सारे मामलों को दबाना चाहते हैं। वो हथियार तैयार करके हमें खत्म करना चाहते हैं। ऐसे में हमारा भी फर्ज है कि हम उन्हें बताएं कि भगवान जिनके साथ होता है, उनका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता है।

जयगढ़ में कई सारे हुनरमंद लोग थे। इन्हीं में से एक नाम था शीरीं बाई का। उनकी खूबसूरती के चर्चे चारों तरफ थे। वो जयगढ़ में लोगों को अपनी कला का कायल करके विजयगढ़ की ओर बढ़ गई। उनके विजयगढ़ पहुंचते ही वहां के लोग जयगढ़ से दुश्मनी जैसे भूल ही गए थे। विजयगढ़ के थिएटर, नृत्यशाला और बाजार जैसे खाली हो चुके थे। शीरीं बाई की कला के लोग इतने दीवाने हो गए कि हर कोई उनके ही ठिकाने की ओर ही दौड़ते थे। सभी लोगों के इस तरह के रवैये की वजह से विजयगढ़ के लोग अपना पैसा ही उसपर बर्बाद नहीं कर थे, बल्कि अपने राज्य को भी बर्बादी की ओर ले जा रहे थे।

मनोरंजन का लोगों के लिए केंद्र बन चुकी शीरीं बाई को लेकर जयगढ़ के मंत्रियों, पुरोहितों और अन्य सम्मानित लोगों ने यह राय बनाई की इस नाचने वाली महिला को देश छोड़ने के लिए कहा जाए। विचार करने के बाद शीरीं बाई के नाम यह शाही फरमान पहुंचा, जिसमें लिखा था कि आपके यहां होने से अप्रिय घटनाएं होने की आशंका है। ऐसे में शाही फरमान है कि आप इस देश को छोड़कर चली जाएं। वैसे यह आदेश अंतरराष्ट्रीय संबंधों के एकदम खिलाफ था। इसी वजह से शीरीं बाई के साथ ही उसके देश जयगढ़ ने भी इस पर आपत्ति जताई।

इस फरमान की वजह से जयगढ़ में खामोशी छा गई थी। हर कोई गुस्से में था। कुछ चाहते थे कि विजयगढ़ से बातचीत करके सुलह कर ली जाए और कुछ की मांग युद्ध थी। फरमान आए हुए लगभग एक दिन हो चुका था। लोगों की तरफ से आवाज आने लगी युद्ध-युद्ध। यह सब सुनने के बाद युद्ध मंत्री सैयद असकरी ने कहा कि अब तो लोगों ने भी बता दिया है कि वो क्या चाहते हैं। अब लड़ाई का एलान करने में देर कैसी?

इसपर एक सेठ ने कहा कि क्या सारे लोग लड़ने के लिए तैयार होंगे?

युद्ध मंत्री ने कहा कि शायद बहुत ज्यादा तैयार।

सेठ ने पूछा कि क्या आपको यकीन है कि फतह मिलेगी?

असकरी ने जवाब दिया, "हां, बिल्कुल यकीन है।"

तभी लोग आपस में जंग-जंग कहते हुए हथियार एक दूसरे को बांटने लगे।

ठीक तीस साल पहले भी एक जबरदस्त लड़ाई हुई थी, जिसके कारण जयगढ़ हिल गया था। युद्ध में कई सारे खानदान तबाह हो गए थे। सब कोई एक दूसरे के खून का प्यासा हो गया था। उस वक्त पूरा जेल देशभक्तों से भर गई थी। आजादी की लड़ाई लड़ने वाले जांबाज में मिर्जा मंसूर भी थे। मिर्जा को पूरा दिन जेल में हथौड़ा चलाना पड़ता था और बस आधे घंटे के लिए नमाज की छुट्टी मिलती थी। उसे हमेशा ही अपने बेटे मंसूर की याद आती थी। इस याद में उसका मन करता कि गंगा में डुबकी मारकर भाग जाऊं और अपने बेटे से मिल आऊं।

एक दिन यह इच्छा इतनी प्रबल हुई कि वो सही में गंगा में कूद गया। रात भर वो गंगा में गोते लगाता रहा। किसी तरह सुबह वह किनारे, तो पहुंचा लेकिन उसके शरीर में बिल्कुल जान नहीं बची थी। सांसें चल रही थी, लेकिन हालत अधमरी जैसी थी। किसी तरह हिम्मत करके वो आगे बढ़ा और अपने बेटे असकरी से मिलने के लिए पहुंच गया।

फिर तीन दिन बाद मंसूर अपने बेटे असकरी को अपने गोद में लिए हुए विजयगढ़ पहुंच गया। अपने हुलिया और पहचान बदलकर मंसूर ने मिर्जा जलाल नाम रख लिया। शरीर इतना हट्टा कट्टा था कि उसे सिपाही बना लिया गया और होते-होते वो पहाड़ी किले का सूबेदार बन गया।

भले ही वो जयगढ़ को पीछे छोड़ आया था, लेकिन देश भक्ति उसके दिल में कूट-कूटकर भरी हुई थी। वो हमेशा अपने बेटे असकरी को जयगढ़ दिखाकर कहता था कि वो तुम्हारा वतन है। वहीं के तुम हो। जब भी तुम्हें मौका मिले अपने देश की सेवा करने से पीछे मत हटना। पिता की इन सभी बातों से असकरी के दिल में बड़ा प्रभाव पड़ता था। वो भी बड़ा होकर बहुत बड़ा देशभक्त बना। वो सीधे विजयगढ़ से जयगढ़ गया और फौज में भर्ती हो गया और कुछ ही समय में अपने युद्ध कौशल से युद्ध मंत्री बन गया था।

अब देश में उठ रही युद्ध की मांग को देखते हुए जयगढ़ ने विजयगढ़ को शीरीं बाई को उनके देश पहुंचाने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया। विजयगढ़ ने भी साफ कह दिया कि वो जयगढ़ की फौज का सामना करने के लिए तैयार हैं, लेकिन शीरीं बाई को वो छोड़ेंगे नहीं। उसे अदालत से सजा जरूर मिलेगी। जयगढ़ को विजयगढ़ के मामलों में दखल न देते हुए अपने कदम पीछे खींच लेने चाहिए।

विजयगढ़ से ऐसा जवाब मिलने के बाद असकरी ने अपने पिता मिर्जा जलाल को खुफिया तरीके से एक पत्र भिजवाया। उसमें लिखा था कि विजयगढ़ से हमारी लड़ाई शुरू होने वाली है। अब सबको जयगढ़ की ताकत का अंदाजा लगेगा। अगर लड़ाई के दौरान आपको कोई आंच आई तो आप उन्हें मेरे द्वारा भेजी गई यह मोहर दिखा देना, वो आपकी किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाएगा और मेरे कैंप तक ले आएगा। साथ ही कभी मुझे आपकी जरूरत पड़ी, तो मुझे पता है आप हमेशा मेरे साथ खड़े रहेंगे। धन्यवाद!

यह खेत भेजने के तीसरे दिन ही जयगढ़ ने पूरे बल के साथ विजयगढ़ पर आक्रमण कर दिया। दोनों राज्य की फौज का मुकाबला एक दूसरे से मंदौर से करीब पांच मील की दूरी पर हो रहा था। लड़ाई में विजयगढ़ के पास तोप की ताकत ज्यादा थी, तो जयगढ़ के पास पराकर्मी सैनिक थे। होते-होते लड़ाई एक महीने तक चली। इस दौरान सबकुछ श्मशान सा बन गया, लेकिन दोनों देश के बीच युद्ध रुक नहीं रहा था। फिर ऐसा समय आया कि विजयगढ़ पूरी तरह से जयगढ़ पर भारी पड़ने लगा। हर बार जयगढ़ को हार का मुंह देखना पड़ रहा था।

असकरी को पूरा जयगढ़ कोस रहा था कि इसकी वजह से युद्ध शुरू हुआ और सारे लोग तितर-बितर हो गए। ऐसे हाल में असकरी को सूझा कि मेरे पिता जिस किले की रखवाली करते हैं, वो विजयगढ़ से अलग हो जाए, तो आसानी से इन्हें हराया जा सकता है। उसने पिता को खत लिखकर कहा कि अब आप ही मेरी मदद कर सकते हैं। आपको अपने वतन का वास्ता है। आपको जयगढ़ को जिताने के लिए उस किले पर जीत हासिल करने में हमारी मदद करनी होगी।

यह खत पढ़ते ही असकरी के पिता मिर्जा जलाल किले पर बैठ-बैठे सोचने लगे कि आखिर मेरे बेटे की हिम्मत कैसे हुई मुझे ऐसा खत लिखने की। मैं भले ही अपने वतन से बेहद प्यार करता हूं, लेकिन विजयगढ़ ने मुझे मुसीबत के समय सहारा दिया है। मैं इसके साथ गद्दारी कैसे करूं। ऐसा करके ऊपर वाले को क्या मुंह दिखाऊंगा। वहां मेरे कर्म को भोगने के लिए बेटा या कोई दूसरा थोड़ी आएगा, जो भी करूंगा मैं, उसे खुद ही भोगना पड़ेगा। तभी मन में हुआ कि बेटा का मोह भी कैसे छोड़ दूं।

तबतक शाम ढल गई थी और जयगढ़ में विजयगढ़ की अफसर की वर्दी पहना एक इंसान असकरी के टेंट से बाहर निकाला। फिर वो विजयगढ़ के घायलों की लाइन में जाकर जमीन पर तुरंत लेट गया।

जैसे-जैसे रात हुई जयगढ़ वालों ने विजयगढ़ के किले पर हमला कर दिया। इस अंधेरे में गोला-बारूद उन्होंने चला दिए। आराम से सब कुछ करते, तो कम-से-कम ज्यादा लोगों की जान भी नहीं जाती और विजयगढ़ वालों को कुछ पता भी नहीं चलता। तभी मिर्जा के मन में हुआ कि ये लोग यहां तक पहुंच तो नहीं पाएंगे और अगर पहुंच गए, तो मुझे क्या करना चाहिए। फिर मन से आवाज आई कि तीस साल से जिस जगह से इज्जत मिली, उनके साथ दगा करने की मैं सोच भी नहीं सकता। बस तो क्या करना है वो तो तय ही है।

फिर अंदर से आवाज आई क्या दगा करना हमेशा गुनाह होता है। अपने वतन के दुश्मनों से दगा करना गलत होगा क्या? तभी आसमान की तरफ से शोर होने लगा। शायद हवाई जहाज का शोर था। जयगढ़ वाले जीतते हुए नजर आ रहे थे। वो तेजी से किले की तरफ बढ़ रहे थे। मिर्जा के मन में हुआ कि ऐसा करना उनकी गलती है। किले का दरवाजा काफी मजबूत है। किले के पास पहुंचते ही वहां से बंदूकें चलेंगी, जिनके आगे एक घंटे भी टिक पाना मुश्किल होगा।

मिर्जा ने सोचा कि इतने सारे लोगों की जान क्या मैं जाने दूं? यह सिर्फ लोगों की जान जाने से भी ज्यादा खतरनाक है। जयगढ़ की पूरी सेना यही खत्म हो गई, तो जयगढ़ की तबाही होना निश्चित है। ऐसा ही चला, तो विजयगढ़ कल तक जयगढ़ पर जीत हासिल कर लेगा और मेरे देश की मां-बहनों की जिंदगी भी खतरे में आ जाएगी। क्या अपने मजहब और लोगों को विजयगढ़ का इस तरह से निशाना बनने के लिए छोड़ दूं?

उफ्फ! ये जहरीली गैस किले के अंदर से कैसे आ रही है? क्या किसी जयगढ़ वाले ने कुछ किया होगा। ओह, यह तो यहां से सैनिक भेजे जा रहे हैं और किले की छत पर तोपों को चढ़ाया जा रहा है। अब जयगढ़वाले किले के पास पहुंच गए। विजयगढ़ में होने वाली जयगढ़ियों की दुर्दशा को अब कोई नहीं रोक सकता। काश! मैं कुछ कर सकता। मुझसे कोई जबरदस्ती किले की चाबी छीन लेता। कोई मुझे मार डालता। मैं अपने वतन का नाश होते कैसे देख पाऊंगा।

मैं बेबस हूं। मेरे हाथों में जंजीरें हैं, पैरों में बेड़ियां लगी हैं। शरीर का एक-एक रोम जैसे जकड़ रखा है। मन है इन सारी जंजीरों और बेड़ियों को तोड़कर बेटे के लिए किले के दरवाजे खोल दूं। पता है मुझे ये सब गुनाह है, लेकिन अब इससे क्या डरना।

जयगढ़ वाले किले के पास बाहरी आक्रमण से बचने के लिए बनाए गए गड्ढों तक पहुंच गए। अब कुछ नहीं हो सकता। मेरा बेटा असकर भी घड़े में सवार होकर आ रहा है। मन में हुआ कि मैं नमकहरामी कर देता हूं। इससे कुछ नहीं, तो कम-से-कम मेरा बेटा तो बच जाएगा। तभी तोप बरसने लगे। मेरा बेटा मेरी आंखों के सामने खून से लथपथ पड़ा था। हाय मेरा बेटा। मैंने अपनी वफा पर बेटे को कुर्बान कर डाला। मैं इसका बाप नहीं दुश्मन बन गया।

कहानी से सीख :

प्रेमचंद की कहानी वफा का खंजर यह सीख देती है कि लड़ाई विनाश लेकर आती है, जितना हो सके युद्ध को टालकर बातों से चीजें सुलझानी चाहिए। दूसरी सीख यह है कि हमेशा अपनी काबिलियत के दम पर ही फैसला लें। अपने रिश्तेदारों पर भी भरोसा करने से कई बार दगा मिल जाती है।

New Delhi

लिव-इन पार्टनर ने दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी) सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने एक डॉक्टर लोकेश बी.एच. द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। लोकेश ने फरवरी 2000 में नवीना से शादी की थी।

क्या एक विवाहित व्यक्ति जो अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी अन्य महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में है, उस महिला द्वारा दहेज प्रताड़ना (IPC की धारा 498A) का मामला दर्ज कराया जा सकता है? यह एक ऐसा सवाल है जिस पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अब गंभीर कानूनी विचार करने का निर्णय

लिया है। भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 498A (अब भारतीय न्याय संहिता) स्पष्ट रूप से यह प्रावधान करती है कि केवल एक पत्नी ही अपने पति या उसके रिश्तेदारों के खिलाफ दहेज या क्रूरता की शिकायत दर्ज करा सकती है। चूंकि हिंदू विवाह अधिनियम के अंतर्गत कानूनी रूप से एक व्यक्ति एक ही समय में दो महिलाओं का पति नहीं हो सकता है। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि क्या लिव-इन पार्टनर को कानूनन पत्नी का दर्जा दिया जा सकता है? सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने एक डॉक्टर लोकेश बी.एच. द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। लोकेश ने फरवरी 2000 में नवीना से शादी की थी। आरोप है कि उन्होंने 2010 में तीर्थ नामक महिला से भी शादी की, जो कानूनी रूप से अवैध है।

Noida

ग्रेटर नोएडा: बेटिंग ऐप से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, नेपाली नागरिक समेत 6 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसी) ग्रेटर नोएडा स्थित स्पेशल टास्क फोर्स नोएडा यूनिट ने ऑनलाइन बेटिंग ऐप के जरिए ठगी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का भंडाफोड़ किया है. एसटीएफ ने इस गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है. खास बात यह है कि इन्हीं आरोपियों के कब्जे से वह मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है, जो नोएडा के विभिन्न स्कूलों को भेजे गए धमकी भरे ई-मेल से जुड़े रिकवरी मेल में प्रयोग किया गया था. गिरफ्तार आरोपियों में नेपाल और भारत के नागरिक शामिल हैं, जो गाजियाबाद के इंदिरापुरम और शाहबेरी क्षेत्र में रहकर कॉल सेंटर के रूप में अवैध ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क संचालित कर रहे थे. अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नोएडा राजकुमार मिश्र का कहना है कि 23 जनवरी को जनपद गौतमबुद्धनगर के विभिन्न स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए थे. इस मामले में साइबर क्राइम थाना गौतमबुद्धनगर में बीएनएस एवं आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसटीएफ नोएडा इकाई को जांच सौंपी गई थी. जांच में सामने आया कि धमकी भरा मेल यूएसए से ओरिजिनेट हुआ था. हालांकि तकनीकी पड़ताल में यह भी पता चला कि उससे जुड़ा रिकवरी ई-मेल बांग्लादेश और भारत से लिंक था. आगे की जांच में रिकवरी मेल का कनेक्शन थाना बिसरख क्षेत्र के शाहबेरी इलाके से जुड़ा पाया गया.

Tamil Nadu

विजय की रैली में समर्थक की मौत

चेन्नई, (एजेंसी) तमिलनाडु के सलेम में तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) चीफ विजय की रैली में शुक्रवार को 37 साल के एक समर्थक की हीटस्ट्रोक के कारण मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र का रहने वाला सूरज TVK चीफ विजय से मिलने गया था। वह रैली के दौरान सीने में दर्द की शिकायत के बाद गिर पड़ा। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में सूरज की मौत हो गई। वह कई सालों से सलेम में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि सूरज की कुछ समय पहले एंजियोप्लास्टी हुई थी। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। इस घटना पर विपक्षी पार्टी अन्नद्रमुक ने तंज कसा। AIADMK प्रवक्ता कोवई सत्यन ने कहा- ऐसा लगता है कि विजय की रैली में शामिल होना है तो लोगों को ताबूत साथ ले जाना चाहिए।

Chhattisgarh

छह माओवादी स्मारक ध्वस्त

बीजापुर, (एजेंसी) छत्तीसगढ़ के बीजापुर थाना मोदकपाल क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंगुड़ में शुक्रवार को थाना मोदकपाल एवं सीआरपीएफ बी/62 वाहिनी नुकनपाल की संयुक्त टीम के द्वारा अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा पूर्व से निर्मित 6 माओवादी स्मारकों को ध्वस्त किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं पुलिस–जन संवाद को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मौके पर चलित थाना भी लगाया गया। इसमें ग्रामीणों की शिकायतें एवं समस्याओं को सुना गया। सायबर जागरूकता अभियान के तहत् ग्रामीणों को ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी धोखाधड़ी एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई तथा सतर्कता बरतने हेतु जागरूक किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों

में उत्साह का वातावरण देखने को मिला तथा ग्रामीणों द्वारा देशभक्ति भाव से "भारत माता की जय" के नारों के साथ सुरक्षा बलों का उत्साहवर्धन किया गया। यह कार्यवाही क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं लोकतांत्रिक विश्वास की पुनर्स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

खेल

टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया, 170 चेज नहीं कर सके कंगारू

कोलंबो। टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर हो चुका है। जिम्बाब्वे ने इस संस्करण के 19वें मुकाबले में 2021 की टी20 विश्वकप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया है। यह मुकाबला कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी पारी 19.3 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। यह जिम्बाब्वे टीम की ऑस्ट्रेलिया पर टी20 में दूसरी जीत है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने 2007 टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया था। दोनों के बीच अब तक चार बार आमना-सामना हुआ है। इसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई टीम और दो बार जिम्बाब्वे की टीम जीती है। सिकंदर रजा की टीम का

टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड है। यानी अब तक कंगारू जिम्बाब्वे की टीम को इस टूर्नामेंट में हरा नहीं पाए हैं।

ग्रुप-बी में दिलचस्प हुई जंग

साथ ही ग्रुप-बी में भी सुपर-8 में पहुंचने की जंग दिलचस्प हो चली है। इस हार के साथ ऑस्ट्रेलिया पर सुपर-8 की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे। एक हार उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। फिलहाल ग्रुप-बी में श्रीलंका दो मैचों में दो जीत और चार अंक लेकर शीर्ष पर हैं। वहीं, जिम्बाब्वे के भी दो मैचों के बाद चार अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो मैचों के बाद दो अंक हैं। टीम तीसरे स्थान पर है। आयरलैंड और ओमान का खाता नहीं खुला है और टीम क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर है। अब ऑस्ट्रेलिया को अगला मैच श्रीलंका से खेलना है और अगर हारे तो बाहर हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया को अब मनाना है कि जिम्बाब्वे या श्रीलंका एक-एक मैच हारे और कंगारू अपने बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतें।

जिम्बाब्वे की पारीः 169/2 (20)

जिम्बाब्वे को पहला झटका आठवें ओवर में 61 के स्कोर पर लगा। मार्कस स्टोइनिस ने तादिवानाशे मरुमानी को जोश इंग्लिस के हाथों कैच कराया। उन्होंने 21 गेंद में सात चौके की मदद से 35 रन बनाए।

जिम्बाब्वे को दूसरा झटका रेयान बर्ल के रूप में लगा। वह 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। बर्ल ने 30 गेंद में चार चौके की मदद से 35 रन बनाए। बर्ल को कैमरन ग्रीन ने पवेलियन भेजा।

सिनेमा

प्रतीक ने बताया क्यों प्रिया संग संग शादी के लिए चुना वैलेंटाइन डे का खास दिन, कहा- 'हम अपने दोस्तों को कभी नहीं...'

प्रतीक ने बताया क्यों प्रिया संग संग शादी के लिए चुना वैलेंटाइन डे का खास दिन, कहा- 'हम अपने दोस्तों को कभी नहीं...' बॉलीवुड एक्टर राज बब्बर और दिवंगत एक्ट्रेस स्मिता पाटिल के बेटे एक्टर प्रतीक स्मिता पाटिल बीते काफी वक्त से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। प्रतीक ने पिछले साल प्रिया बनर्जी से शादी की। दोनों ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट किया, इसके बाद शादी का फैसला लिया। कपल ने शादी की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपने फैंस और फॉलोअर्स के साथ यह खुशखबरी शेयर थी। वहीं, अब प्रतीक ने अपने हालिया इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने प्रिया संग अपनी शादी के लिए 14 फरवरी का ही दिन क्यों चुना। प्रतीक और प्रिया ने हाल ही में जूम को अपना इंटरव्यू दिया। इस दौरान एक्टर ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान प्रिया ने बताया कि कैसे प्रतीक शुरू में दोस्त जैसे थे, लेकिन अब, वह उन्हें अपना सबसे अच्छा दोस्त, अपना इकलौता BFF मानती हैं। कपल ने यह भी बताया कि उन्होंने Valentine's Day पर शादी करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि वे पहले एक-दूसरे के दोस्त हैं और वे इसे कभी नहीं भूलना चाहते थे।

Highlights

1. **Karnataka man allegedly dies by suicide over ₹5 lakh debt in Bidar**

2. **Auli launches Shitalkin Winter Carnival & Skiing Championship**

3. **Hindu outfits perform 'Lath-puja' ahead of Valentine's in Bhopal**

4. **Maharashtra launches statewide Palliative Care programme**

5. **Why a person should not withdraw EPF money after leaving job?**

6. **Dehradun mall shooting sparks investigation into gang ties**

Air India ordered to pay ₹1 crore for flying an Airbus 8 times without airworthiness permit

NEW DEIHI, (Agency). India's

India's civil aviation watchdog has fined Air India $110,350 (about ₹1 crore) for flying an Airbus plane eight times without an airworthiness permit, saying the lapse has further eroded public trust in the country's second-biggest airline, a confidential order shows.

An Airbus A320 flew passengers between New Delhi, Bengaluru, Mumbai and Hyderabad on November 24 to 25 without the mandatory Airworthiness Review Certificate, or ARC, a key permit issued annually by the regulator after a plane passes safety and compliance checks.

Air India's own internal investigation into the incident, which Reuters reported in December, found "systemic failures", with the airline, which also admitted there was an urgent need to improve compliance culture at the carrier.

A confidential penalty order issued by Indian authorities on February 5 to Air India CEO Campbell Wilson said the incident had "further eroded public confidence and adversely impacted the safety compliance of the organisation."

"The accountable manager on behalf of Air India is found blameworthy for the above lapses," Joint Director General of Civil Aviation, Maneesh Kumar, wrote in the order, referring to Wilson.

Air India did not respond to Reuters queries.

The airline has been asked to deposit 10 million Indian rupees, or $110,339, within 30 days.

Air India suffered its worst disaster when a Boeing Dreamliner crashed moments after take-off in June last year, killing 260 people.

The Airbus incident investigation by Air India also blamed pilots, saying those who flew the eight flights did not comply with standard operating procedures before taking off, Reuters has reported.

Air India, which is owned by India's Tata Group and Singapore Airlines, has also received warnings from the watchdog for running planes without checking emergency equipment as well as other audit lapses.

Ola Electric net loss exceeds revenue from operations in Q3 FY26

NEW DEIHI, (Agency). Revenue of Ola Electric Mobility Ltd. more than halved in October-December 2025 as its electric two-wheeler sales declined over 60% during the most lucrative quarter for India's automotive industry.

Net loss of the beleaguered EV maker led by Bhavish Aggarwal narrowed to ₹487 crore in Q3 FY26 as against ₹564 crore in the year-ago period, but widened on a quarter-on-quarter basis from ₹418 crore in Q2 FY26, acccording to an exchange filing on Friday (13 February 2026).

Ola Electric Q3 Results FY26 (Consolidated, YoY) Revenue down 55.02% at ₹470 crore vs ₹1,045 crore in Q3 FY25 EBITDA loss at ₹271 crore vs - ₹460 crore in in Q3 FY25 Net loss at ₹418 crore vs - ₹564 crore in Q3 FY25 "Q3 FY26 marks a structural reset for Ola Electric," Aggarwal said in a letter to shareholders. "We chose to fix the fundamentals by restoring service execution, resetting our cost structure, and deepening vertical integration.

Confidential Investigation & all type of Detective services

व्यापारिक, चारित्रिक, पारिवारिक, आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक... सभी प्रकार की जांच/तहकीकात हेतु

Successful Journey
Since 2002...

कब.. क्यों.. कहाँ.. कितना.. कैसे...!

DETECTIVE GROUP®

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in

अभिभावकों को है बच्चों की सुरक्षा का
गरबोत्सव में
जासूसी का जाल
जासूसों पर है ज्यादा भरोसा
दवा कंपनी में धोखाधड़ी करके भागने वाला कर्मचारी गिरफ्तार
'My in-laws sold my wife for Rs 7000'
Private detective traced her but police could no
बच्चों की हरकतों पर भी जासूसों की नजर
पैरेंट्स खुद करवाते हैं लाड़लों की निगरानी
आँख मूँदकर न तय करें रिश्ता
रिश्तों पर लगी जासूसी नजर...
जश्न की रात कुछ आंखें देंगी पहरा
विवाह से पहले हो रही है वर-वधू की जासूसी
कहीं आप पर तो नहीं है जासूसी नजर
जासूसी के क्षेत्र में प्रख्यात - डिटेक्टिव ग्रुप
मदद के लिए तैयार भी कभी...कहीं भी... सम्पूर्ण विश्व हमारी सीमा में
८० लाख का गबन करने वाला धार में बंदी
जासूस की सूचना पर ससुर के घर से दबोच लिया
बाद पुलिस उसे इन्दौर लेकर आएगी और सघन पूछताछ की जाएगी।
Investigation on top, Detective Group
....कोई है!
अभिभावक करवाने लगे हैं बच्चों की जासूसी
बचपन से पचपन तक निगरानी में रहेंगे आप : डिटेक्टीव ग्रुप (डी.जी.)
प्यार हुआ प्रेक्टिकल, जासूसों से लायल्टी चेक

व्यक्तिगत, व्यापारिक एवं सभी प्रकार के इन्वेस्टीगेशन कार्य...
...सबूत/प्रमाण हेतु

+91-91110 50101
+91-9111050101
+91-9111050101

"संपूर्ण विश्व हमारी सीमा में हैं"

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक